महर्षि दयानन्द सरस्वती की उत्तराधिकारिणी
परोपकारिणी सभा द्वारा संचालित

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर

nueÚeÂý·ae¿aè 1S çSý·ëaeÚüÂéSÌ·aeõ ·ae

सूची–पत्र

(२०१८–२०१९)

दयानन्द आश्रम, केसरगंज,
अजमेर–३०५००१

दूरभाष : वैदिक पुस्तकालय ०१४५–२४६०१२०
परोपकारिणी सभा : ०१४५– २४६०१६४

Web Site : www.paropkarinisabha.com
E-mail : psabhaa@gmail.com

हमारे प्रकाशन

मूलवेद, वेदभाष्य, वेदभाषाभाष्य, वेदांगप्रकाश और अन्य वैदिक साहित्य

क्रमांक	नाम पुस्तक	मूल्य
	वेद संहिताएँ– (केवल मन्त्र)	
०१.	ऋग्वेद संहिता	रु.
	वर्णानुक्रमणिका सहित	७००.००
०२.	यजुर्वेद संहिता	
	वर्णानुक्रमणिका सहित	१८०.००
०३.	यजुर्वेद संहिता	१००.००
०४.	सामवेद संहिता	
	वर्णानुक्रमणिका सहित	१६०.००
०५.	अथर्ववेद संहिता	
	वर्णानुक्रमणिका सहित	४००.००
०६.	चतुर्वेद विषय सूची	४०.००
०७.	सामवेद के मन्त्रों की वर्णानुक्रमणिका	२.००
०८.	सामपद संहिता (पदपाठः)	२५.००
	वेद भाष्य–(संस्कृत एवं हिन्दी, दोनों में)	
०९.	ऋग्वेदभाष्य पहला भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	४००.००
१०.	ऋग्वेदभाष्य दूसरा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२००.००
११.	ऋग्वेदभाष्य तीसरा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२००.००
१२.	ऋग्वेदभाष्य चौथा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	१५०.००
१३.	ऋग्वेदभाष्य पाचवाँ भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२५०.००
१४.	ऋग्वेदभाष्य छठा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	६०.००
१५.	ऋग्वेदभाष्य सातवाँ भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२००.००
१६.	ऋग्वेदभाष्य आठवाँ भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२००.००
१७.	ऋग्वेदभाष्य सप्तम मंडल प्रथम भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	३००.००
१८.	ऋग्वेदभाष्य सप्तम मंडल द्वितीय भाग (पं. आर्यमुनि)	६०.००
१९.	ऋग्वेदभाष्य अष्टम मण्डल पहला भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	....

२०.	ऋग्वेदभाष्य अष्टम मण्डल दूसरा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	....
२१.	ऋग्वेदभाष्य नवम मण्डल प्रथम भाग (पं. आर्यमुनि)	१५०.००
२२.	ऋग्वेदभाष्य नवम मण्डल द्वितीय भाग	३००.००
२३.	ऋग्वेदभाष्य दसवाँ मण्डल प्रथम भाग (स्वामी ब्रह्ममुनि)	२००.००
२४.	ऋग्वेदभाष्य दसवाँ मण्डल द्वितीय भाग (स्वामी ब्रह्ममुनि)	९०.००
२५.	यजुर्वेदभाष्य पहला भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२००.००
२६.	यजुर्वेदभाष्य दूसरा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	३५०.००
२७.	यजुर्वेदभाष्य तीसरा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	२५०.००
२८.	यजुर्वेदभाष्य चौथा भाग (महर्षि दयानन्द सरस्वती)	३००.००
२९.	ऋग्वेद का नमूना भाष्य (१मंत्र)	४.००

वेद भाषाभाष्य – (केवल हिन्दी भाष्य)

३०.	ऋग्वेदभाषाभाष्य का नमूना	....
३१.	ऋग्वेदभाषाभाष्य पहला भाग	२००.००
३२.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दूसरा भाग	३५.००
३३.	ऋग्वेदभाषाभाष्य तीसरा भाग	३५.००
३४.	ऋग्वेदभाषाभाष्य चौथा भाग	२५.००
३५.	ऋग्वेदभाषाभाष्य पाचवाँ भाग	३०.००
३६.	ऋग्वेदभाषाभाष्य छठा भाग	३०.००
३७.	ऋग्वेदभाषाभाष्य सातवाँ भाग	५०.००
३८.	ऋग्वेदभाषाभाष्य आठवाँ भाग	५०.००
३९.	ऋग्वेदभाषाभाष्य (नवाँ भाग) सप्तम मण्डल पहला भाग	२५.००
४०.	ऋग्वेदभाषाभाष्य सप्तम मण्डल द्वितीय भाग (पं. आर्यमुनि)	३५.००
४१.	ऋग्वेदभाषाभाष्य अष्टम मण्डल	....
४२.	ऋग्वेदभाषाभाष्य नवम मण्डल	....
४३.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दसवां मण्डल प्रथम भाग (स्वामी ब्रह्ममुनि)	४५.००
४४.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दसवां मण्डल द्वितीय भाग (स्वामी ब्रह्ममुनि)	५०.००
४५.	यजुर्वेदभाषाभाष्य पहला भाग	१००.००
४६.	यजुर्वेदभाषाभाष्य दूसरा भाग	३७५.००

स्वामी ब्रह्ममुनि परिव्राजक विद्यामार्तण्ड

४७.	सामवेद आध्यात्मिक मुनिभाष्य (पूर्वार्चिक)	....
४८.	सामवेद आध्यात्मिक मुनिभाष्य (उत्तरार्चिक)	

	(दोनों खण्डों का सम्मिलित मूल्य)	४००.००
४९.	अथर्ववेदभाष्य – (काण्ड १ से २०) तीन भाग = एक सैट	१५००.००

महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत ग्रन्थ

सिद्धान्त ग्रन्थ

५०.	दयानन्द ग्रन्थमाला (तीन खंड का १ सेट)	७५०.००
५१.	सत्यार्थप्रकाश	१००.००
५२.	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका	१२०.००
५३.	आर्याभिविनय	३०.००
५४.	आर्याभिविनय गुटका	७.००
५५.	ऋग्वेद के प्रथम बाईस मन्त्रों का भाष्य	५.००

कर्मकाण्डीय

५६.	वैदिक नित्यकर्मविधि	२५.००
५७.	पञ्चमहायज्ञविधि	१२.००
५८.	विवाह पद्धति	२०.००
५९.	संस्कारविधि	८०.००
६०.	हवनमन्त्राः	५.००

विविध

६१.	गोकरुणानिधि	१०.००
६२.	स्वमन्तव्यामन्तव्य प्रकाश	१०.००
६३.	स्वीकारपत्र	३.००
६४.	आर्योद्देश्यरत्नमाला (हिन्दी)	१०.००
६५.	महर्षि दयानन्द– आत्मकथा	....
६६.	उपदेश मंजरी (पूना प्रवचन)	४०.००

पाखण्ड खण्डन और शंका समाधान ग्रन्थ

६७.	भ्रमोच्छेदन	४.००
६८.	भ्रमोच्छेदन	१०.००
६९.	शिक्षापत्री ध्वान्त निवारण (स्वामी नारायण मतखण्डन)	२.००
७०.	वेदविरुद्ध मत खण्डन	१०.००
७१.	वेदान्तिध्वान्तनिवारण	२.००

७२.	शास्त्रार्थ काशी	८.००
७३.	शास्त्रार्थ हुगली (प्रतिमा–पूजन विचार)	६.००
७४.	सत्यधर्म विचार (मेला चान्दापुर)	७.००
७५.	शास्त्रार्थ फिरोजाबाद	१०.००
७६.	महर्षि दयानन्द के शास्त्रार्थ	४०.००

शिक्षा व व्याकरण ग्रन्थ (वेदाङ्ग प्रकाश)

७७.	वर्णोच्चारण शिक्षा	१२.००
७८.	संधिविषय	४०.००
७९.	नामिक	५०.००
८०.	कारकीय	१०.००
८१.	सामासिक	४०.००
८२.	स्त्रैणताद्धित	६०.००
८३.	अव्ययार्थ	१५.००
८४.	आख्यातिक	....
८५.	सौवर	१२.००
८६.	पारिभाषिक	४०.००
८७.	धातुपाठ	५०.००
८८.	गणपाठ	३०.००
८९.	उणादिकोष	६०.००
९०.	निघण्टु	२५.००
९१.	संस्कृतवाक्यप्रबोध	....
९२.	व्यवहारभानु	२०.००
९३.	निरुक्त मूल	८०.००
९४.	अष्टाध्यायी मूल	....
९५.	अष्टाध्यायी भाष्य प्रथम भाग	१२०.००
९६.	अष्टाध्यायी भाष्य द्वितीय भाग	....
९७.	अष्टाध्यायी भाष्य तृतीय भाग	१३०.००

PROF. TULSI RAM

98.	The Book Of Prayer (Aryabhivinaya)	35.00

99.	Kashi Debate on Idol Worship	20.00
100.	A Critique of Swami Narayan Sect	20.00
101.	An Examination of Vallabha Sect	20.00
102.	Five Great Rituals of the Day (Panch Maha Yajna Vidhi)	20.00
103.	Bhramochchhedan (New Edition)	25.00
104.	Bhranti Nivarana	35.00
105.	**Atmakatha**- Swami Dayanand Saraswati	20.00
106.	Bhramochchhedan	5.00
107.	Chandapur Fair	5.00

DR. KHAZAN SINGH

108.	Gokaruna Nidhi	12.00

डॉ. भवानीलाल भारतीय

१०९.	परोपकारिणी सभा का इतिहास	....
११०.	दयानन्द वचनामृत	३.००
१११.	आर्यसमाज के शास्त्रार्थ महारथी	१०.००
११२.	डॉ. भवानीलाल भारतीय अभिनन्दन ग्रन्थ	५१.००
११३.	डॉ. भवानीलाल भारतीय अभिनन्दन ग्रन्थ	३१.००

वेदगोष्ठी (सम्पादक डॉ. धर्मवीर)

११४.	ऋषि दयानन्द की वेदभाष्य शैली	....
११५.	वेद और कर्मकाण्डीय विनियोग	३५.००
११६.	अथर्ववेदः समस्याएं और समाधान	३५.००
११७.	वेद और विदेशी विद्वान् – कृतित्व और दृष्टिभेद	३५.००
११८.	वेदों के आख्यान (प्रथम भाग)	३५.००
११९.	वेदों के दार्शनिक विचार	४०.००
१२०.	सोम का वैदिक स्वरूप	५०.००
१२१.	पर्यावरण का वैदिक स्वरुप	....
१२२.	वेद और समाज	....
१२३.	वेद और राष्ट्र	....
१२४.	वेद और विज्ञान	....
१२५.	वेद और ज्योतिष	८०.००

१२६. वेदों में पदार्थ विद्या (विशेषांक–१)	....
१२७. वेदों में पदार्थ विद्या (विशेषांक–२)	....
१२८. वेद और निरुक्त	१००.००
१२९. वेद और इतिहास	१००.००
१३०. वेद में कृषि व वनस्पति विज्ञान	१००.००
१३१. वेद और शिल्प	....
१३२. वेदों में अध्यात्म	....
१३३. वेदों में राजनैतिक चिन्तन	१००.००
१३४. वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है	....
१३५. वैदिक समाज विज्ञान	....
१३६. सत्यार्थ प्रकाश ७वाँ समुल्लास और वेद	....
१३७. सत्यार्थ प्रकाश ८वाँ समुल्लास और वेद	....
१३८. आर्यसमाज और शोध	१५.००

प्रो. धर्मवीर

१३९. वेद पथ के पथिक (स्मारिका)	२००.००
१४०. बेताल फिर डाल पर	६०.००
१४१. वरदा वेदमाता	१००.००
१४२. सत्यार्थ प्रकाश में क्या है?	१५.००
१४३. अंग्रेज जीत रहा है	१५०.००
१४४. लोकोत्तर धर्मवीर (तपेन्द्र वेदालंकार)	२०.००
१४५. महर्षि दयानन्द के कुछ हस्तलिखित पत्र (सम्पादित)	२००.००

डॉ. वेदपाल

१४६. महर्षि दयानन्द सरस्वती के महत्त्वपूर्ण पत्र व्यवहार (सम्पादित)	४००.००
१४७. महर्षि दयानन्द सरस्वती के पत्र व्यवहार– भाग २	८००.००

स्वामी विष्वङ् परिव्राजक

१४८. ध्यान योग एवं रोग निवारण	१५०.००
१४९. योग	५०.००
१५०. अष्टाङ्ग योग	२०.००
१५१. समाधि	१००.००

डॉ. सत्यदेव आर्य

१५२. वैदिक संध्या मीमांसा २५.००

१५३. ईश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासना मन्त्रों का विवेचन २५.००

१५४. तन्मेमन:शिवसंकल्पमस्तु का वैज्ञानिक विवेचन २५.००

वैद्य पंडित ब्रह्मानन्द त्रिपाठी

१५५. बूंदी शास्त्रार्थ ५.००

१५६. वैदिक सूक्ति सुमन २५.००

श्रीरावसाहब रामविलास शारदा

१५७. आर्य धर्मेन्द्र जीवन १००.००
(स्वामी दयानन्दजी का जीवन चरित्र)

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा

१५८. वेदार्थ विमर्शः २५.००
(वेदार्थ पारिजात खण्डनम्)

DEENBANDHU HARVILAS SARDA

159. Life of Dayanand Saraswati 200.00

SWAMI SATYA PRAKASH SARASWATI

160. Dayanand and His Mission 5.00

161. Dayanand and interpretation of Vedas 5.00

आचार्य उदयवीर शास्त्री

१६२. जीवन के मोड़ ....

१६३. सरस्वती की खोज एवं महाभारत युद्धकाल ....

श्री गजानन्द आर्य

१६४. आर्य समाज की मान्यताएं ....

१६५. मानव निर्माण के स्वर्ण सूत्र ....

१६६. वेद सौरभ १००.००

१६७. Gokarunanidhi (Eng.) २५.००

सत्यानन्द

१६८. वैदिक ज्ञान विज्ञान सम्पदा १५०.००

१६९. प्रभु भक्ति गीत मञ्जरी ६०.००

डॉ. सुरेन्द्र कुमार (भाष्यकार एवं समीक्षक)

१७०. मनुस्मृति	....
१७१. महर्षि दयानन्द वर्णित शिक्षा पद्धति	....

आचार्य सत्यानन्द वेदवागीशः

१७२. दयानन्द वेदभाष्य भावार्थ प्रकाश (पूर्वखण्ड)	३५०.००
१७३. दयानन्द वेदभाष्य भावार्थ प्रकाश (उत्तरखण्ड)	३००.००

डॉ. वेदपाल सुनीथ

१७४. माध्यन्दिन शतपथीय यूप ब्राह्मणों का भाष्य	५०.००
१७५. शतपथ ब्राह्मण के पशुयाग का भाष्य	७०.००
१७६. शतपथीययूप ब्राह्मण का भाष्य एवं शतपथ ब्राह्मण के पशुयाग का भाष्य	१५०.००
१७७. यजुर्वेद–भाष्य विवरणम् विशिष्ट संस्करण	५०.००
१७८. यजुर्वेद–भाष्य विवरणम् साधारण संस्करण	२५.००

प्रा. राजेन्द्र जी जिज्ञासु

लिखित

१७९. रक्तसाक्षी पं. लेखराम	४००.००
१८०. कविमनीषी पं. चमूपति	१६०.००
१८१. कुरान सत्यार्थ प्रकाश के आलोक में	२००.००
१८२. निष्कलंक दयानन्द	१६०.००
१८३. मेहता जैमिनी	१५०.००
१८४. जम्मू शास्त्रार्थ	३०.००
१८५. मूल की भूल	३०.००
१८६. साहित्यिक जीवन की यात्रा	२००.००
१८७. हृदय की तड़पन	१००.००
१८८. तड़प वाले, तड़पाती जिनकी कहानियाँ	२००.००
१८९. महर्षि दयानन्द का सम्पूर्ण जीवन चरित्र–२ भाग	९००.००
१९०. स्मृतियों की यात्रा	२००.००
१९१. नवयुग की आहट	६०.००
१९२. वैदिक इस्लाम	१०.००

१९३. आनन्द रसधारा	९०.००
१९४. इतिहास प्रदूषण	१००.००
१९५. इतिहास बोल पड़ा	१००.००

सम्पादित

१९६. गंगा ज्ञान धारा भाग–१	८०.००
१९७. गंगा ज्ञान धारा भाग–२	१६०.००
१९८. गंगा ज्ञान धारा भाग–३	१७०.००
१९९. कुरान वेद की छाँवों में (पण्डित चमूपति)	१५०.००
२००. सोम सरोवर (पण्डित चमूपति)	१२०.००

DR. HARISH CHANDRA

201. What is the Law of Karma	150.00
202. As Simple as it Get	80.00
203. The Thought for Food	150.00
204. Marriage Family & Love	15.00
205. Enriching the Life	150.00

आचार्य सत्यजित् जी

२०६. आध्यात्मिक चिन्तन के क्षण	४०.००
२०७. जिज्ञासा समाधान	१००.००
२०८. वेद प्रतिष्ठा	१००.००

वैदिक साहित्य – विविध ग्रन्थ

२०९. अथर्ववेदीय पञ्चपटलिका	२५.००
२१०. अथर्ववेदीय पञ्चपटलिका	१५.००
२११. ईशादिदशोपनिषद् (मूल)	....
२१२. वैदिक कोषः (निघण्टु मणिमाला)	२५.००
२१३. दयानन्द दिव्य दर्शन	१२.००
२१४. वृक्षों में जीवात्मा	....
२१५. महर्षि दयानन्द जीवन और सन्देश	....
२१६. वेदामृत	५०.००
२१७. स्वामी दयानन्द चरितम्	१०.००
२१८. ब्रह्माकुमारी मत खण्डन	८.००

२१९. निरुक्तकार का ऐतिहासिक पक्ष	५.००
२२०. मांसाहार वैदिक धर्म एवं विज्ञान	....
२२१. परोपकारी विशेषांक	२५.००
२२२. महर्षि दयानन्द के चित्र (एक प्रति)	५०.००
२२३. ३१ दिवसीय टेबल कलेण्डर	१००.००
२२४. महर्षि दयानन्द ग्रन्थ परिचय	३०.००
२२५. नैतिक मंजूषा	९५०.००
२२६. ऋग्वेदादि संदेश	३०.००
२२७. त्याग की धरोहर (चाँदकरण शारदा अभिनन्दन ग्रन्थ)	१००.००
२२८. पवित्र धरोहर सी.डी.	५१.००
२२९. प्राणायाम चिकित्सा (स्वामी अभयानन्द सरस्वती)	....
२३०. नित्यकर्म विधि तथा भजन कीर्तन	२०.००
२३१. आर्य समाज के दस नियम	....
२३२. मद्यनिषेध शिक्षित शतकम	....
२३३. जीवन का उद्देश्य	२०.००
२३४. वेदोपदेश	३०.००
२३५. सत्यार्थ प्रकाश का समीक्षात्मक अध्ययन	२०.००
२३६. भगवान राम और राम भक्त	४०.००
२३७. जीवन निर्माण	४०.००
२३८. ऋषि बोधोत्सव	८.००
२३९. दयानन्द शतक	८.००
२४०. जागृति पुष्प	८.००
२४१. त्यागवाद	२५.००
२४२. भस्मान्त शरीरम्	८.००
२४३. जीवन मृत्यु का चिन्तन	
२४४. ब्रह्मचर्य का वैज्ञानिक स्वरूप	....
२४५. जीवन सन्देश	१५.००
२४६. अष्टाध्यायी सूत्र पाठ	५०.००
२४७. आनन्द बहार शायरी	१५.००
२४८. वैदिक वीर गर्जना	२५.००

२४९. पर्यावरण विज्ञानम्	२०.००
२५०. भगवद् गीता	२८०.००
२५१. नशा नाश की निशानी	५.००
२५२. बाईबिल ईश्वरीय सन्देश	१००.००
२५३. The Pre Islamic Reliegious of Arabia	20.00
२५४. सामवेद शतक	३०.००
२५५. असली महात्मा	२००.००
२५६. पातञ्जल योग दर्शनम्	२२५.००
२५७. गौ गौरव	४०.००
२५८. गायत्री गौरव	३०.००
२५९. स्वामी श्रद्धानन्द	४०.००
२६०. आर्यसमाज क्या है?	८.००
२६१. जिज्ञासा विमर्श	१००.००

॥ ओ३म् ॥

परोपकारिणी सभा–एक संक्षिप्त परिचय

(महर्षि दयानन्द द्वारा संस्थापित एवं उनकी उत्तराधिकारिणी सभा)

सत्य के पुजारी महर्षि दयानन्द सरस्वती के एक इच्छा–पत्र द्वारा परोपकारिणी सभा का जन्म हुआ। महर्षि द्वारा १६ अगस्त १८८० को मेरठ में इसकी प्रथम स्थापना हुई। फिर उन्होंने २७ फरवरी १८८३ को इसे पुनर्गठित कर उदयपुर में पंजीकृत कराया। तब इसका कार्यालय उदयपुर में रखा गया। १८९३ में परोपकारिणी सभा का कार्यालय अजमेर में लाया गया। महर्षि ने परोपकारिणी सभा के तीन लक्ष्य रखे –

१. वेद–वेदाङ्गादि शास्त्रों का प्रचार। २. वेदोक्त धर्म का उपदेश और शिक्षा।

३. आर्यावर्त्तीय और दीन मनुष्यों के संरक्षण, पोषण और सुशिक्षा का कार्य।

तब से लेकर आज तक परोपकारिणी सभा महर्षि के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सतत् प्रयत्नशील है।

सभा की गतिविधियाँ

ऋषि उद्यान :– आनासागर के सुरम्य तट पर स्थित पावन ऋषि आश्रम, जहां स्वामीजी के अंतिम अवशेषों को विसर्जित किया गया था। यहाँ प्रातः यज्ञ के पश्चात् वेद, दर्शन, उपनिषदादि तथा सायंकाल सत्यार्थप्रकाशादि ऋषिकृत ग्रन्थों की कथा की जाती

है। यहाँ समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का, पर्वों एवं विशेष अवसरों पर यज्ञ–प्रवचन का, योग शिविरों का, बालक–बालिकाओं के पृथक–पृथक चरित्र–निर्माण शिविरों का आयोजन किया जाता है। यहीं अतिथियों के निवास एवं भोजन की व्यवस्था की गई है।

सरस्वती भवन संग्रहालय :– ऋषि उद्यान में महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा दैनिक उपयोग की उपलब्ध समस्त वस्तुएँ प्रदर्शनी कक्ष में रखी गई हैं। स्वामी जी की हस्तलिखित पुस्तकों की प्रतिलिपि, उनके कुछ पत्र, उनकी लिखी पुस्तकें एवं वैदिक यंत्रालय की स्वामी जी द्वारा मंगाई गई मशीन भी अवलोकनार्थ उपलब्ध है। सरस्वती भवन में महर्षि दयानन्द की चित्रमय जीवन झांकी अंकित है।

पाण्डुलिपि संरक्षण :– महर्षि दयानन्द द्वारा लिखित सत्यार्थप्रकाश, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका आदि ग्रन्थों की पाण्डुलिपियाँ दयानन्द आश्रम में संरक्षित हैं। इनमें से बहुत–सी पाण्डुलिपियों के लेमिनेशन व माइक्रो फिल्म निर्माण का कार्य हो चुका है। साथ ही पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का कार्य भी प्रगति पर है। दस्तावेजों की स्कैनिंग करके उन्हें कम्पयूटर पर सुरक्षित किया जा रहा है।

श्रीमद्दयानन्द वैदिक पुस्तकालय एवं वाचनालय :– दयानन्द आश्रम के मध्य में सभा द्वारा संचालित श्रीमद्दयानंद वैदिक पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थापित है, जिसमें महर्षि दयानन्द के निजी पुस्तकालय की पुस्तकें भी सम्मिलित हैं। यहाँ विद्वान् शोध एवं अनुसंधान हेतु अध्ययन करते हैं। सामान्य जनता भी इसका लाभ उठाती है। सभी इस सेवा का लाभ निःशुल्क प्राप्त करते हैं।

परोपकारी :– (पाक्षिक पत्रिका) गत ६० वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित एक मात्र पाक्षिक आर्य पत्रिका है। इसमें प्रमुख आर्य विचारकों, विद्वानों एवं शोधकर्त्ताओं के सारगर्भित, सैद्धांतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक व राष्ट्रीय लेख होते हैं। वैदिक विचारधारा के प्रचारार्थ लागत से भी बहुत कम शुल्क पर इसे जनसाधारण को उपलब्ध कराया जाता है। भारत में वार्षिक शुल्क २०० रु. एवं आजीवन शुल्क (१५ वर्ष) २००० रु. तथा विदेश में वार्षिक शुल्क ५० पौण्ड/८० डॉलर एवं आजीवन शुल्क (१५ वर्ष) ५०० पौण्ड/८०० डालर है।

वैदिक पुस्तकालय :– इसके द्वारा आर्य साहित्य एवं हस्तलेखों से मिलान कर महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत पुस्तकों का प्रकाशन, न्यूनतम मूल्यों पर उच्च कोटि के वैदिक साहित्य का विक्रय एवं प्रचार–प्रसार किया जाता है।

वैदिक यंत्रालय :– महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित एवं परोपकारिणी सभा, अजमेर द्वारा संचालित राजस्थान का प्राचीनतम एवं प्रतिष्ठित मुद्रणालय, जिसमें पत्रिका व आर्य साहित्य का भी मुद्रण किया जाता है।

सभा कार्यालय :– यह दयानन्द आश्रम केसरगंज में स्थित है। सभा के समस्त आय–व्यय का लेखा–जोखा यहीं रखा जाता है। परोपकारी पत्रिका का संचालन भी यहीं

से होता है।

ऋषि मेला :– यह परोपकारिणी सभा द्वारा ऋषि बलिदान दिवस के रूप में प्रतिवर्ष दीपावली के बाद आयोजित किया जाने वाला त्रिदिवसीय कार्यक्रम है। इसमें विभिन्न धार्मिक–आध्यात्मिक कार्यक्रम होते हैं। ऋषि मेले में देश के उच्च कोटि के संन्यासी, वानप्रस्थी, आचार्य, विद्वान, लेखक, भजनोपदेशक पधारते हैं जिनका लाभ आगन्तुकों को यज्ञ, वेदपाठ, वेदोपदेश, भजन, प्रवचन, वेदगोष्ठी, व्यायाम–प्रदर्शन आदि अनेक कार्यक्रमों में प्राप्त होता है।

ऋषि मेले से ५ दिन पूर्व से वेद पारायण यज्ञ प्रारम्भ हो जाता है व उसकी पूर्णाहुति ऋषि मेले के अन्तिम दिन प्रातःकालीन यज्ञ में होती है। ऋषि मेले में अनेक प्रसिद्ध पुस्तक प्रकाशकों, औषध निर्माताओं, हवनकुण्ड, आचमन पात्र, कलैण्डर, स्टिकर, कैसेट, सी.डी. आदि के विक्रेताओं की दुकानें भी लगती हैं। आगन्तुकों के निवास एवं भोजन की व्यवस्था परोपकारिणी सभा द्वारा आप सभी के सहयोग से की जाती है।

वेद गोष्ठी :– अन्तर्राष्ट्रीय दयानन्द वेदपीठ दिल्ली व अनुसंधान केन्द्र परोपकारिणी सभा, अजमेर के संयुक्त प्रयास से ऋषि मेले के अवसर पर प्रतिवर्ष वेद–गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। जिसमें वेद सम्बन्धी किसी विषय का निर्धारण किया जाता है। इसकी सूचना कई माह पूर्व विद्वानों व जन–सामान्य को दे दी जाती है। वेद–गोष्ठी में अनेक वेद विद्वान् व अनुसंधानकर्त्ता निर्धारित विषय पर अपना शोध–पत्र पढ़ते हैं व शंका–समाधान सहित चर्चा करते हैं। वेद–गोष्ठी में पढ़े हुए शोध–पत्रों में से मुख्य–मुख्य का संकलन पुस्तक में प्रकाशित भी किया जाता है।

गुरुकुल :– परोपकारिणी सभा द्वारा ऋषि उद्यान में सुयोग्य विद्वान् एवं तपस्वियों के माध्यम से ऋषि दयानन्द के निर्देशानुसार आर्ष पद्धति से वेद–वेदांगों का अध्ययन कराया जाता है तथा चरित्र निर्माण की शिक्षा दी जाती है। गुरुकुल में न्यूनतम दसवीं कक्षा उत्तीर्ण सोलह वर्ष से बड़े युवकों को प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में योग्य आचार्यों की देखरेख में गुरुकुल का संचालन हो रहा है। सभी को बिना किसी भेद–भाव के आवास, भोजन, वस्त्र एवं शिक्षा की सुविधा सभा की ओर से निःशुल्क प्रदान की जाती है। जनता के सहयोग से गुरुकुल सफलतापूर्वक चल रहा है।

अनुसंधान भवन :– ऋषि उद्यान में सभा के द्वारा संकल्पित सवा करोड़ से भी अधिक की लागत से अनुसंधान भवन का निर्माण कराया गया है। इसमें एक विशाल कक्ष, दो दीर्घ कक्ष, दो भण्डार कक्ष व २४ आवासीय कमरें हैं। इसके निर्माण का लक्ष्य एवं उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं वैदिक साहित्य पर वैदिक विद्वानों द्वारा गवेषणा पूर्ण कार्य किया जाना व वैदिक साहित्य का ऋषि के मन्तव्यों के अनुकूल प्रचार–प्रसार करना है। ऋषिमेला व शिविर काल की निवास व्यवस्था और गुरुकुल की निवास व्यवस्था भी इसी में हो रही है।

वानप्रस्थ एवं संन्यास आश्रम :– ऋषि उद्यान में निवास कर रहे वानप्रस्थी एवं

संन्यासियों को आवास, भोजन एवं चिकित्सा की समुचित निःशुल्क सुविधा दी जाती है ताकि वे तन्मयता से व निर्विघ्न अपनी साधना कर सकें। स्वामी ओमानन्द सरस्वती संन्यास आश्रम भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, **उक्त भवन में १६ कक्ष निर्मित हैं जिनमें रसोई, शौचालय–स्नानागार भी हैं।**

गौशाला :– ऋषि उद्यान में एक सुव्यवस्थित गौशाला भी है, जिससे प्राप्त दूध गुरुकुल के ब्रह्मचारियों, संन्यासियों, वानप्रस्थियों एवं आगत सम्मानित अतिथियों को दिया जाता है। स्थाई गौशाला भवन का निर्माण संपूर्णता की ओर है।

व्यायामशाला :– ऋषि उद्यान में आधुनिक संसाधन सहित एक व्यायामशाला है। यहाँ योग एवं व्यायाम के प्रशिक्षित शिक्षक की देखरेख में जन–सामान्य एवं आश्रमवासियों हेतु प्रतिदिन दोनों समय ५ से ७ बजे तक दण्ड–बैठक, जूड़ो–कराटे, व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि सीखने व करने की सुविधा उपलब्ध है।

यहाँ के शिक्षक व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि सिखाने हेतु नगर के विभिन्न विद्यालयों व पुलिस विभाग–जेल आदि संस्थाओं में भी जाते हैं।

ध्यान योग एवं रोग निवारण शिविर – जन सामान्य की शरीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए **स्वामी विष्वङ् जी परिव्राजक** के कुशल प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रान्तों में सप्तदिवसीय शिविर लगाये जाते हैं, जिसमें अष्टाङ्गयोग का परिचय व वैदिक सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ आसन, प्राणायाम, ध्यान, व्यायाम आदि का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सन्दर्भ में जन–सामान्य की सुविधा हेतु पुस्तक, ऑडियो कैसेट, ऑडियो सी.डी., वीडियो सी.डी. एवं डी.वी.डी. भी तैयार किये गये है। यदि कोई व्यक्ति या संस्था ऐसे शिविर का आयोजन अपने स्थान–ग्राम–नगर में करवाना चाहें तो परोपकारिणी सभा से सम्पर्क कर सकते हैं।

ध्यान–साधना शिविर :– ऋषि उद्यान में प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल में व दीपावली के पूर्व कुल दो साधना–शिविर लगते हैं। ग्रीष्मावकाश में एक आर्यवीर दल एवं एक आर्य वीराङ्गना शिविर भी प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

भोजनशाला व योग मन्दिर :– इस भवन के प्रथम भूमितल पर भोजनालय है। इसमें आश्रम के समस्त निवासियों व आगन्तुकों के भोजन की व्यवस्था निःशुल्क की जाती है। इसके दूसरे तल पर १ ध्यान कक्ष व ७ निवास कक्ष हैं, इसी तल पर एक रिकॉर्डिंग कक्ष बनाया गया है। इसके तीसरे तल पर १३ निवास कक्ष हैं, इसमें ४ कक्ष वातानुकूलित हैं। सभी कक्षों में शौचालय, स्नानागार संलग्न हैं। इसमें लिफ्ट का भी प्रावधान किया गया है।

दयानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय : इस चिकित्सालय का उद्घाटन महर्षि दयानन्द निर्वाण समारोह (ऋषि मेला २०१२) के अवसर पर आचार्य बलदेव जी द्वारा किया गया। औषधालय में उपलब्ध सभी औषधियाँ निःशुल्क प्रदान की जाती है।

निवेदन :– सभी ऋषि भक्तों, देश की अग्रिम पंक्ति के उदारमना दानवीरों से निवेदन है कि इन पावन कार्यों को संपन्न कराने हेतु अपना आर्थिक सहयोग सभा को प्रदान कर धर्म लाभ प्राप्त करें।

कृपया अपना सहयोग ड्राफ्ट या मनीऑर्डर द्वारा निम्नलिखित नाम व पते पर प्रेषित करें। सभा को दिया गया दान आयकर की धारा ८०जी के अनुसार आयकर से मुक्त है। आप अपना सहयोग **'मंत्री, परोपकारिणी सभा'** के नाम निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं –

मंत्री, परोपकारिणी सभा, दयानन्द आश्रम, केसरगंज, अजमेर–३०५००१ (राजस्थान)

दूरभाष :– सभा : ०१४५–२४६०१६४, वैदिक पुस्तकालय : २४६०१२०

ऋषि उद्यान : २६२१८९१, गुरुकुल : २६३२५७२

Web Site : www.paropkarinisabha.com

E-mail : psabhaa@gmail.com

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर से क्रय की जाने वाली पुस्तकों की राशि ऑनलाइन जमा कराने हेतु

खाता धारक का नाम – **वैदिक पुस्तकालय, अजमेर।**

बैंक का नाम – **पंजाब नेशनल बैंक, कचहरी रोड, अजमेर।**

बैंक बचत खाता **(Savings)** संख्या – **0008000100067176**

IFSC - PUNB0000800

सम्पर्क सूत्र – (पुस्तकों के लिए)

वैदिक पुस्तकालय

दयानन्द आश्रम, केसरगंज, अजमेर

फोन : 0145–2460120

पुस्तकें भेजने के आवश्यक नियम :

०१. पुस्तकें मँगाने वालों को सम्पूर्ण मूल्य अग्रिम (पेशगी) धनादेश (मनीऑर्डर) या बैंक ड्राफ्ट द्वारा आर्डर के साथ में भेजना चाहिये।

०२. डाकव्यय, पैकिंग खर्चा, मजदूरी, रेलकिराया, ट्रांसपोर्ट किराया, बैंक खर्चा आदि सभी खर्च ग्राहकों के जिम्मे होंगे।

०३. बिकी हुई पुस्तकें वापस नहीं ली जावेंगी।

०४. जिन पुस्तकों के नाम के आगे मूल्य नहीं छपा है अथवा मूल्य काट दिया गया है वे पुस्तकें समाप्त हो गई हैं।

०५. आदेश (आर्डर) देने के बाद पुस्तकें वापस करने पर तथा न छुड़वाने पर जो हानि पुस्तकालय को होगी वह आदेश देने वाले को देनी होगी। ५ दिन के बाद डाक–खाने वाले पुस्तकें वापस लौटा देते हैं, अतः पुस्तकें मंगवाने वाले का कर्त्तव्य है कि इस अवधि के भीतर ही पुस्तकें अवश्य छुड़ा लेवे।

०६. ग्राहक अपना नाम, पूरा पता, पोस्ट–ऑफिस, जिला व रेलवे स्टेशन का नाम एवं दूरभाष संख्या साफ–साफ शुद्ध नागरी अक्षरों में अवश्य लिखें तथा पिन कोड नम्बर भी अवश्य लिखें।

०७. विदेश में वी.पी. नहीं भेजी जाती। अतः विदेशों से भेजे ऑर्डर के साथ–साथ मार्गव्यय सहित सम्पूर्ण मूल्य अग्रिम भेजें।

०८. हमारे यहाँ से पूरी जाँच के साथ माल भेजा जाता है, इसलिए डाक तथा रेल में खोई हुई पुस्तकों का उत्तरदायी पुस्तकालय नहीं होगा।

०९. किसी ग्राहक को किसी भी कारण से माल न मिलने पर हमारी कोई जिम्मेदारी न होगी।

१०. साधारणतया हम रेलवे रसीद, रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजते हैं, ग्राहक की इच्छानुसार रेलवे रसीद बैंक द्वारा मंगाने पर बैंक से भेज दी जाती है, लेकिन समय पर ग्राहक को मिलने न मिलने का दायित्व हमारा नहीं होगा।

११. सभी विवाद अजमेर न्याय क्षेत्र के आधीन होंगे।

हमारे प्रकाशनों पर कमीशन के नियम नीचे लिखे अनुसार हैं–

२००) रु. से ऊपर १०००) रु. तक	**१०.) रु. सैंकड़ा**
१०००) रु. से ऊपर २०००) रु. तक	**१५) रु. सैंकड़ा**
२०००) रु. से ऊपर ३०००) रु. तक	**२०) रु. सैंकड़ा**
३०००) रु. से ऊपर	**२५) रु. सैंकड़ा**

सम्पर्क सूत्र– (पुस्तकों के लिए)

प्रबन्धकर्त्ता, वैदिक पुस्तकालय,

दयानन्द आश्रम, केसरगंज अजमेर – ३०५००१

दूरभाषः ०१४५–२४६०१२०

आर्यसमाज के नियम

१. सब सत्यविद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदिमूल परमेश्वर है।

२. ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान्, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनन्त, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र और सृष्टिकर्त्ता है, उसी की उपासना करनी योग्य है।

३. वेद सब सत्यविद्याओं का पुस्तक है। वेद का पढ़ना–पढ़ाना और सुनना–सुनाना सब आर्यों का परमधर्म है।

४. सत्य के ग्रहण करने और असत्य के छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिये।

५. सब काम धर्मानुसार अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करने चाहिये।

६. संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात् शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।

७. सबसे प्रीतिपूर्वक धर्मानुसार यथायोग्य वर्त्तना चाहिये।

८. अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिये।

९. प्रत्येक को अपनी ही उन्नति से सन्तुष्ट न रहना चाहिये, किन्तु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिये।

१०. सब मनुष्यों को सामाजिक सर्वहितकारी नियम पालने में परतन्त्र रहना चाहिये और प्रत्येक हितकारी नियम में सब स्वतन्त्र रहें।

मुद्रक :

वैदिक यन्त्रालय

केसरगंज, अजमेर–३०५००१

फोन : २४६०८३१